

संकल्प



HINDI LITERACY TEAM
CHANDIGARH







डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन



→ मैं जीने के लिए अपने पिता का शुक्रगुज़ार हूँ पर अच्छे से
जीने के लिए अपने शिक्षक का -Alexander (सिकंदर)



टेक्नोलॉजी सिर्फ एक उपकरण है बच्चों को प्रेरित करने के लिए, शिक्षक सबसे महत्वपूर्ण है - बिल गेट्स

मैं हूँ प्रेरक



आज प्रेरक घर लौटते हुए रास्ते में प्रेरणा दीदी से बोला, “आपने कहा था कि आप रोज़ कुछ नया बताएँगी।”

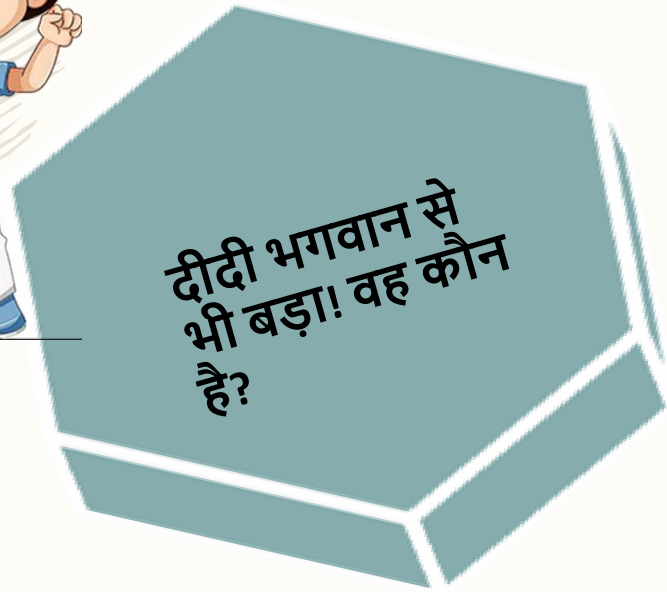
प्रेरणा बोली, “आज मैं आपको उनके बारे में बताऊँगी जिनका स्थान भगवान से भी बड़ा माना गया है।”

और मैं हूँ
प्रेरणा





दीदी भगवान से
भी बड़ा! वह कौन
है?

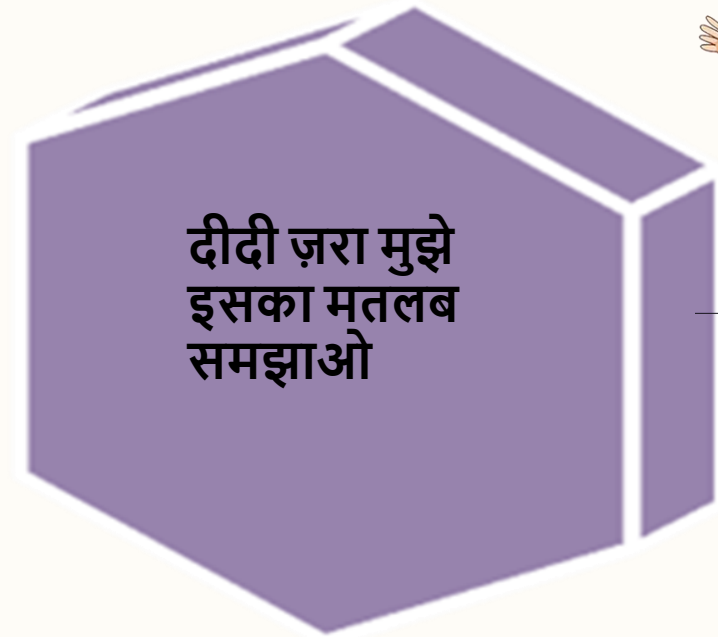


प्रेरक ! इसे
समझाने के
लिए मैं कुछ
सुनाती हूँ।





1. गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके
लागू पाय।
बलिहारी गुरु आपने, गोविंद दियो
बताय।।
2. 'सात समुद्र की मसि करूं,
गुरु गुण लिखा न जाय...



दीदी ज़रा मुझे
इसका मतलब
समझाओ





1. यह दोहा है, इसमें यह बताया गया है कि यदि गुरु और गोविंद (प्रभु) दोनों ही खड़े हैं तो मैं किसके पाँव पड़ूँ? कवि कहता है क्योंकि मुझे गोविंद तक जाने का मार्ग गुरु ने ही बताया है इसलिए मैं गुरु के पाँव पड़ूँगा।

2. सात समुद्र की स्याही बनाई जाए, तब भी गुरु का गुण नहीं लिखा जा सकता।

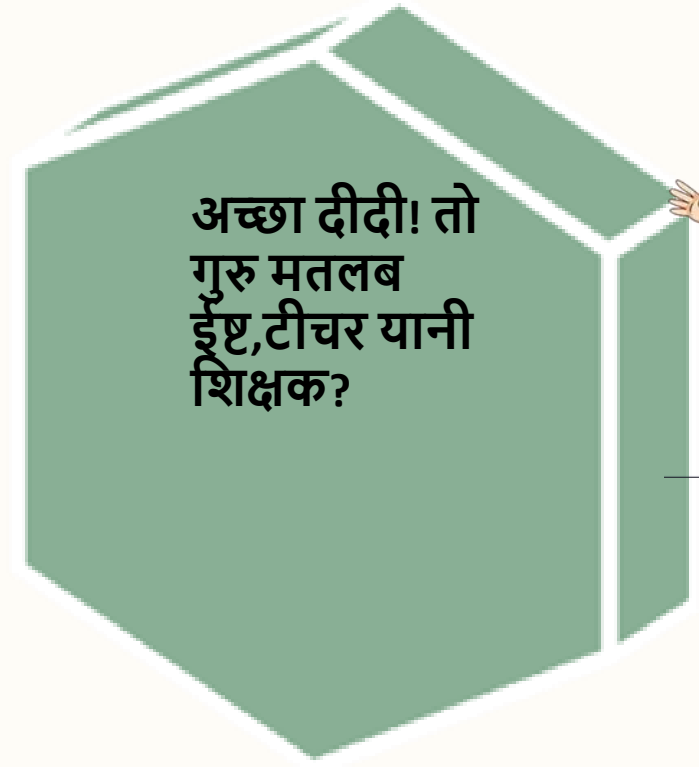


वैसे यह गुरु
हैं कौन?





मैं बताती हूँ-
भारत में शिक्षक के लिए गुरु शब्द
का प्रयोग प्राचीनकाल से होता
आया है,
गुरु का शाब्दिक अर्थ होता है
संपूर्ण यानि जो हमें जीवन की
संपूर्णता को हासिल करने की
दिशा में बढ़ने के लिए हमारा पथ
आलोकित करता है।

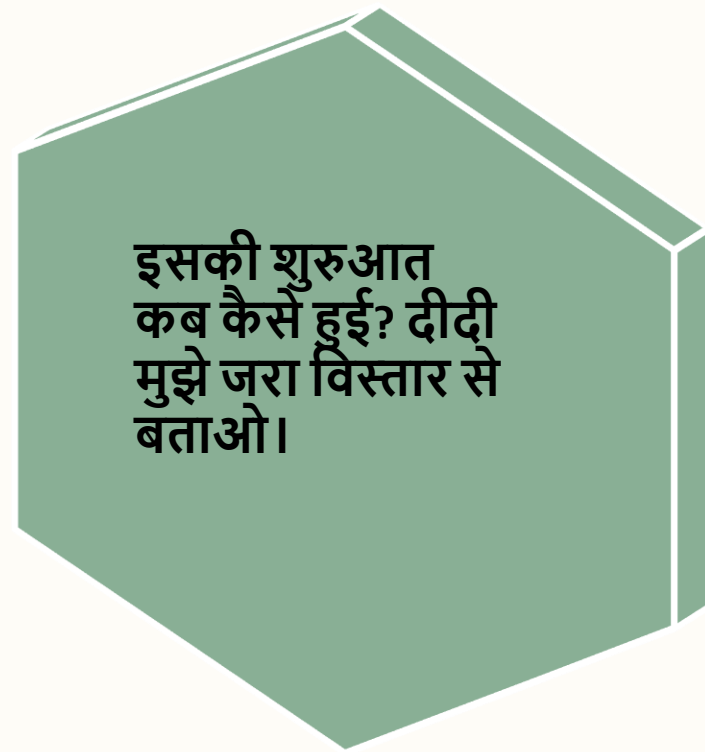


अच्छा दीदी! तो
गुरु मतलब
ईष्ट, टीचर यानी
शिक्षक?





हाँ हाँ प्रेरक बिल्कुल
सही समझा आपने
शिक्षक।
यहाँ गुरु से हमारा
आशय शिक्षक से है
जो हमें शिक्षा देते हैं।



इसकी शुरुआत
कब कैसे हुई? दीदी
मुझे जरा विस्तार से
बताओ।





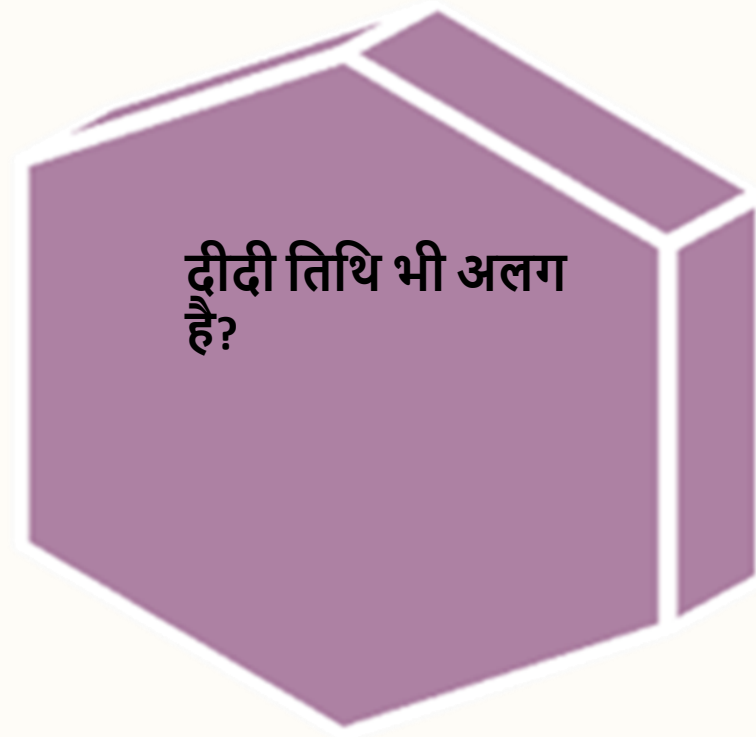
भारत के भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ
सर्वपल्ली राधाकृष्णन का
जन्मदिन (5 सितंबर) भारत में
शिक्षक दिवस के रूप में मनाया
जाता है। उन्होंने अपने छात्रों से
जन्मदिन को शिक्षक दिवस के
रूप में मनाने की इच्छा जताई
थी।



यह तो बहुत अच्छी बात
बताई आपने। दीदी क्या
यह अपने देश में ही मनाया
जाता है या दुनिया के बाकी
देशों में भी?



अरे नहीं प्रेरक, दुनिया
के 100 से ज्यादा देशों
में शिक्षक दिवस
मनाया जाता है। उसके
पीछे के कारण अलग
है। यहाँ तक कि तिथि
भी अलग।



दीदी तिथि भी अलग
है?



हाँ प्रेरक। मैं बताती हूँ विस्तार से।

यूनेस्को ने 5 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक दिवस घोषित किया था। साल 1994 से ही इसे मनाया जा रहा है। शिक्षकों के प्रति सहयोग को बढ़ावा देने और भविष्य की पीढ़ियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए शिक्षकों के महत्व के प्रति जागरूकता लाने के मकसद से इसकी शुरुआत की गई थी।



दीदी मेरी तो उत्सुकता का पारावार नहीं, बस बताते जाओ।



चीन में 1931 में नेशनल सेंट्रल यूनिवर्सिटी में शिक्षक दिवस की शुरुआत की गई थी। चीन सरकार ने 1932 में इसे स्वीकृति दी। बाद में 1939 में कन्फ्यूशियस के जन्मदिवस, 27 अगस्त को शिक्षक दिवस घोषित किया गया लेकिन 1951 में इस घोषणा को वापस ले लिया गया।

वर्ष 1985 में 10 सितंबर को शिक्षक दिवस घोषित किया गया। अब चीन के ज्यादातर लोग फिर से चाहते हैं कि कन्फ्यूशियस का जन्मदिवस ही शिक्षक दिवस हो।

रूस में 1965 से 1994 तक अक्टूबर महीने के पहले रविवार के दिन शिक्षक दिवस मनाया जाता रहा। साल 1994 से विश्व शिक्षक दिवस 5 अक्टूबर को ही मनाया जाने लगा।



अमेरिका में मई के पहले पूर्ण सप्ताह के मंगलवार को शिक्षक दिवस घोषित किया गया है और वहाँ सप्ताह भर इसके आयोजन होते हैं।

थाइलैंड में हर साल 16 जनवरी को राष्ट्रीय शिक्षक दिवस मनाया जाता है। यहां 21 नवंबर, 1956 को एक प्रस्ताव लाकर शिक्षक दिवस को स्वीकृति दी गई थी। पहला शिक्षक दिवस 1957 में मनाया गया था। इस दिन यहाँ स्कूलों में अवकाश रहता है।



ईरान में वहां के प्रोफेसर अयातुल्लाह मोर्तेजा मोतेहारी की हत्या के बाद उनकी याद में दो मई को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। मोतेहारी की दो मई, 1980 को हत्या कर दी गई थी।

तुर्की में 24 नवंबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। वहाँ के पहले राष्ट्रपति कमाल अतातुर्क ने यह घोषणा की थी। मलेशिया में इसे 16 मई को मनाया जाता है, वहाँ इस खास दिन को 'हरि गुरु' कहते हैं।



ओमान, सीरिया, मिश्र, लीबिया,
कतर, बहरीन, संयुक्त अरब
अमीरात, यमन, टुनिशिया,
जार्डन, सउदी अरब, अल्जीरिया,
मोरक्को और अन्य इस्लामी देशों
में २८ फरवरी को शिक्षक दिवस
के रूप में मनाया जाता है।



दीदी तुर्की के शिक्षक
दिवस के बारे में जानकर
बड़ी खुशी हुई। हमने
शुरुआत 'गुरु' से की थी।
तुर्की में तो शिक्षक दिवस
को 'हरि गुरु' कहा जाता है
यह तो बहुत ही अच्छी बात
है।



अधिक जानकारी हेतु अगली स्लाइड पर दिए गए लिंक
पर क्लिक करें

शिक्षक दिवस - विकिपीडिया (wikipedia.org)

॥ कबीरवाणी ॥

गुरु कुम्हार शिष कुंभ है, गढ़ि गढ़ि काढ़ै खोट ।
अंतर हाथ सहार वै, बाहर बाहै चोट ॥

॥ कबीरवाणी ॥

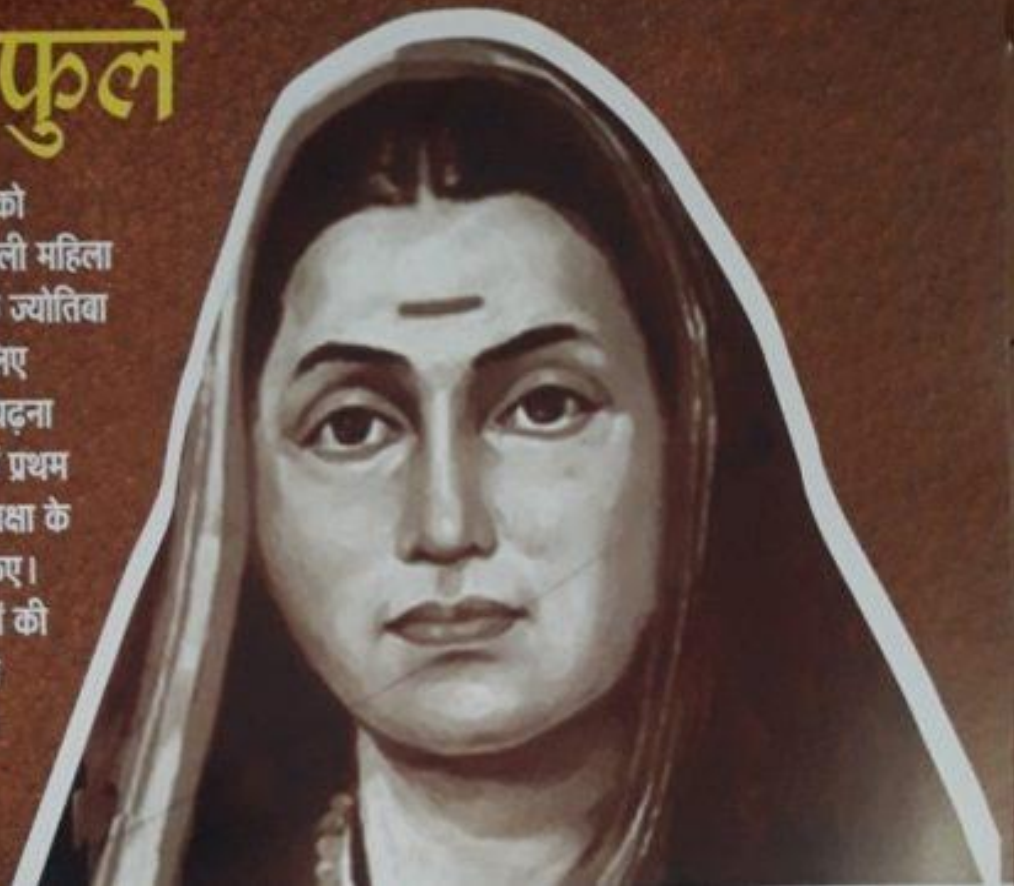
कुमति कीच चेला भरा, गुरु ज्ञान जल होय ।
जनम जनम का मोरचा, पल में डारे धोय ॥

<https://www.google.com/url?sa=t&rct=j&q=&esrc=s&source=web&cd=&ved=2ahUKEwifplizpa3yAhUCfSsKHa6dDEwQFnoECAIQAw&url=https%3A%2F%2Fwww.hindikiduniya.com%2Fessay%2Fteachers-day-essay-in-hindi%2F&usg=AOvVaw0scyWlQBsw2qOE8EN77y->

देश की पहली शिक्षिका

सावित्री बाई फुले

सावित्री बाई फुले का जन्म 3 जनवरी सन् 1831 को महाराष्ट्र के सतारा जिले में हुआ। वह भारत की पहली महिला शिक्षिका हैं। अपने पति और महान समाज सुधारक ज्योतिबा राव फुले के साथ मिलकर उन्होंने स्त्री शिक्षा के लिए उल्लेखनीय काम किया। जब समाज में स्त्रियों का पढ़ना प्रतिबंधित था, उन्होंने 1848 में महाराष्ट्र के पुणे में प्रथम बालिका विद्यालय की स्थापना की। उन्होंने स्त्री शिक्षा के प्रसार के लिए एक के बाद एक 18 स्कूल शुरू किए। महाराष्ट्र में फैले हैजे की महामारी के दौरान रोगियों की सेवा करते हुए वह इसकी चपेट में आ गई, जिससे 10 मार्च 1897 को उनका परिनिर्वाण (निधन) हो गया। बहुजन समाज उनकी जयंती को 'शिक्षक दिवस' घोषित करने की मांग करता रहा है।



प्रश्न :1 बच्चों को प्रेरित करने के लिए शिक्षक सबसे महत्वपूर्ण है। यह कथन है-

- क. कबीर का
- ख. कवि का
- ग. सिकन्दर का
- घ. बिल गेट्स का

प्रश्न :2 मिलान करें-

देश	शिक्षक दिवस तिथि
चीन	2 मई
थाईलैंड	16 मई
ईरान	10 सितम्बर
मलेशिया	16 जनवरी

प्रश्न :3 किस देश का शिक्षक दिवस आपको सबसे प्रिय लगा और क्यों?

प्रश्न :4 सावित्रीबाई फुले का योगदान विशिष्ट था क्योंकि-

(क) उन्होंने स्त्री शिक्षा की अलख जगाई। (ख) तत्कालीन समाज, जिसमें स्त्रियों का पढ़ना प्रतिबंधित था, उसमें स्त्री शिक्षा के लिए पहल की। (ग) सन् 1848 में प्रथम बालिका विद्यालय की स्थापना की (घ) उपरोक्त तीनों सही

प्रश्न :5 यदि 19 अक्टूबर 1965 को मंगलवार का दिन था तो उस वर्ष रूस में शिक्षक दिवस की तारीख बताइए।

उत्तरमाला :

1. घ. बिल गेट्स का कथन।

2.

देश

चीन

थाईलैंड

ईरान

मलेशिया

शिक्षक दिवस तिथि

10 सितम्बर

16 जनवरी

2 मई

16 मई

3. संगत उत्तर मान्य।

4. (घ) उपरोक्त तीनों सही।

5. 3 अक्टूबर 1965

‘संकल्प’ पत्रिका का यह अंक कक्षा सातवीं की पाठ्यपुस्तक वसंत भाग-2 के पाठ ‘कंचा’, कक्षा दसवीं की पाठ्यपुस्तक क्षितिज भाग-2 के पाठ ‘राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद’ से प्रेरित है। यह सीखने के विभिन्न प्रतिफल: स्वाभाविक अभिव्यक्ति, कल्पनाशीलता, कौशल और सोच, अनुमान और कल्पना, कला सम्बन्धी दक्षता एवं रुचि को पूर्ण करता है।